कार्यशैली से ही होती किसी भी संस्थान की पहचान

सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड (सीयूजे) रांची ने गत दिनों अपना 13वां स्थापना दिवस मनाया। इतने वर्षों के दौरान हुए विकास व शोध कार्यों का भी लेखा जोखा भी पेश किया। विवि लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहा है। नई शिक्षा नीति को शत प्रतिशत लागू किया गया है। खासकर कार्यों में गतिशीलता लाने की भी लगातार कवायद की जा रही है। उक्त बातें कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने दैनिक जागरण के रिपोर्टर कुमार गौरव से विशेष बातचीत के क्रम में कही।

सप्ताह का साक्षात्कार

प्रो क्षिति भूषण दास, कुलपति • जागरण

• क्या सीयूजे अपनी स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहा है।

झारखंड जैसे राज्यों में सीयूजे की स्थापना का उद्देश्य ही पठन पाठन को बढ़ावा देने का है। खासकर शोध कार्यों में राज्य समेत देश विदेश के छात्र छात्राओं में कैसे उत्सुकता जगे इस दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

• यहां कई ऐसे कार्य हैं जो पिछले कई वर्षों से पेंडिंग पड़े हैं और इसे अमल में लाने की क्या कवायद की जा रही है।

किसी भी संस्थान की पहचान उसकी कार्यशैली से ही होती है। हम लगातार इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। विवि को फास्ट ट्रैक पर लाना हमारी प्राथमिकता है। सभी शिक्षाविदों और कर्मियों से इंटरेक्शन हो रहा है। छात्र छात्राओं से भी सलाह मांगे जा रहे हैं।

• दीक्षा समारोह को लेकर क्या तैयारी चल रही है, 13 वर्षों में एकाध बार ही यह समारोह हुए, क्या कहेंगे।

2020 में दीक्षा समारोह का आयोजन हुआ था। कोविड के कारण भी कई कार्य प्रभावित हुए हैं। हालांकि पूरी उम्मीद है कि मार्च के अंत तक दीक्षा समारोह के आयोजन के लेकर सहमति बन जाएगी।

• दो जगहों पर संस्थान का संचालन कैसे कर पाते हैं। एक ब्राम्बे में तो दूसरा चेरी मनातू में, क्या कोई व्यवस्था की जा रही है।

बुनियादी जरूरतों को पहले निपटाया जा रहा है। ब्राम्बे में जो शाखा और हास्टल है उसे भी चेरी मनातू में ही शिफ्ट किया जाएगा। लेकिन इससे पूर्व मनातू में सुरक्षा और बुनियादी जरूरतों के संसाधन जुटाए जाएंगे। ताकि यहां आने वाले 2500 छात्र छात्राओं और कर्मियों को कोई परेशानी न हो।

• नई शिक्षा नीति लागू किस हद तक की गई है और क्या भावी योजनाएं हैं।

नई शिक्षा नीति को यहां शत प्रतिशत लागू किया गया है। आगामी दिनों इग्नू के सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्सेस का भी लाभ यहां के छात्र छात्राओं को मिलेगा। इसके लिए इग्नू और सीयूजे के बीच टाई-अप भी हुआ है। जरूरत पड़ने पर इग्नू के गेस्ट फैकल्टी को भी यहां बुलाया जाएगा। ताकि सभी कोर्सेस की पढ़ाई को गति दी जा सके। इसमें 40 प्रतिशत इग्नू और 60 प्रतिशत सीयूजे की भागीदारी होगी।

• क्या विदेशी भाषाओं के साथ-साथ भारतीय भाषाओं को भी लैंग्वेज कोर्सेस में शामिल करने की योजना है।

यहां चाइनीज, कोरियन व तिब्बती लैंग्वेज के अधिकांश विद्यार्थी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। खासकर कोरियन लैंग्वेज की मांग अधिक है। हालांकि इसके अलावे हमने यूजीसी और मंत्रालय से संस्कृत को शुरू करने का आग्रह किया है।

• विवि स्थापना काल से ही भूमि अधिग्रहण को लेकर रैयत जमीन को लेकर विवाद चल रहा है क्या इसके समाधान के लिए कदम उठाया जा रहा है।

500 एकड़ जमीन में से 139 एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। रैयती जमीन का मामला है। सीओ मनातू और स्थानीय लोगों से भी मेरी बात हुई है। सरकार ने जल्द ही मुआवजा देने की बात कही है। इस संबंध में राज्य सरकार से भी मुलाकात कर चुका हूं।